Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

Scheme and Syllabus

of

M. A. (Hindi)

Program Code: MAHINR110

Semester system for affiliated college
(As per LOCF and credit system)

w.e.f. 2023-2024

(As approved by AC and EC meetings held on 16.08.2023 and 18.04.2023 respectively)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Scheme of M.A. (Hindi) Under Semester System
Programme Code **MAHINDR110**

Semester	Course Code	Subject Name	Credit			Total Credit	Marks			
			L	P	T		ESE	IA	Max	Min
First	HINDT101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT102	प्राचीन काव्य	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT103	आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, निबंध)	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT104	भाषा विज्ञान	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT105	हिंदी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल, रीतिकाल)	3	-	1	4	80	20	100	36
	Subtotal		**15**		**5**	**20**			**500**	
Second	HINDT201	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT202	मध्यकालीन काव्य	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT203	आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास , कहानी)	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT204	हिंदी भाषा	3	-	1	4	80	20	100	36
	HINDT205	समसायिक साहित्य में स्त्री एवं दलित विमर्श	3	-	1	4	80	20	100	36
	Subtotal		**15**		**5**	**20**			**500**	

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		**M.A. (Hindi)**	Sem-I	w.e.f:**2023-24**
1	Course Code	**HINDT101**		
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक इतिहास की जानकारी दे सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दे सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विकास पूर्व, परंपरा भाषाओं से हिन्दी की विकास यात्रा को बता सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, नामकरण की जानकारी दे सकेंगे। • विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा हेतु आदिकाल के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecture		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	इतिहास – दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण की समस्याएं।	12
II	हिंदी साहित्य का आविर्भाव, अपभ्रंश परंपरा, रासो की प्रबंध परंपरा और उनकी प्रवृत्तियां, डिंगल और पिंगल भाषा की विशेषताएं, लौकिक साहित्य ।	12
III	वीरगाथा काल तथा सिद्ध और नाथ साहित्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियां, जैन साहित्य की प्रवृत्तियां एवं काव्यधाराएं तथा प्रतिनिधि रचनाकार, चारण साहित्य।	12
IV	फुटकल रचनाएं – लोकभाषा के पद्य– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, अमीर खुसरो, विद्यापति कीप्रमुख रचनाएं एवं प्रवृत्तियां।	12
V	लघु उत्तरीय, अतिलघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किया जायेगा। ।	12

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य –आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. दूसरी परंपरा की खोज – डॉ. नामवर सिंह
6. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. नामवर सिंह
7. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndl. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय, सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program :		M.A. (Hindi)	Sem-1	w.e.f:2023-24
1	Course Code	HINDT102		
2	Course Title	प्राचीन काव्य		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी प्राचीन काव्य के अध्ययन से समाज की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थिति का मूल्यांकन कर जानकारी दे पायेंगे। • विद्यार्थी लोक जागरण एवं लोक मंगल के नवीन स्वर को समझ कर आत्मसात कर सकेंगे। • विद्यार्थी भावनात्मक एकता एवं सांस्कृतिक परंपरा का संरक्षण कर मानवीय मूल्यों को स्थापित कर सकेंगे। • विद्यार्थी सामाजिक सुधार एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए नैतिक बल प्राप्त कर सकेंगे। • विद्यार्थी भारत की वैचारिक बहुलता से परिचित हो सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course

Total No. of Lecture

Unit	Topics	Total Hours
I	विद्यापति– व्याख्या –विद्यापति पदावली – संपादक – रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रारंभिक 20 पद समीक्षा – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, श्रृंगार वर्णन, भक्ति भावना, प्रकृति चित्रण, सौंदर्य चित्रण, गीत पद्धति, काव्य कला, अलंकार योजना , भाषा, संस्कृत साहित्य का प्रभाव।	12
II	कबीरदास – व्याख्या – कबीर ग्रंथावली – संपादक डॉ. बाबू श्यामसुंदरदास 80 साखियाँ तथा 20 पद, गुरूदेव कौ अंग– 1 से 20, सुमिरण कौ अंग – 1 से 10, विरह कौ अंग – 1 से 10, रस कौ अंग – 1 से 10, ज्ञान विरह कौ अंग – 1 से 10, परचा कौ अंग – 1 से 10 तक, पद संख्या – ,11,16, 23,24,33,40,43,49,51,64,70,72,74,89,92,95,98,103,108,(20 पद) समीक्षा – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, धार्मिक विचार, सामाजिक विचार, प्रेम तत्व , विरह भावना, रहस्यवाद, दार्शनिकता, उलटबासियां और प्रतीक पद्धति, काव्यकला , अलंकार योजना, भाषा	12
III	जायसी –व्याख्या– नागमती वियोग खंण्ड, संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल समीक्षा –जायसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, पद्मावत में प्रेमभाव, सौदर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्य भावना एवं दर्शन, प्रकृति चित्रण, चरित्र चित्रण, महाकाव्यत्व, लोकतत्व, काव्यकला, भाषा, अलंकार योजना।	12
IV	द्रुत पाठ्य के अंतर्गत निम्नांकित पांच कवियों का सामान्य अध्ययन किया जायेगा । 1. अमीर खुसरो 2. रसखान 3. मीराबाई 4. रैदास 5. रहीम	12

V	लघु उत्तरीय, अतिलघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे।	12

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. कबीर की विचारधारा – श्री गोविंद त्रिगुणायत।
2. विद्यापति व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. रामसजन पाण्डेय, समता प्रकाशन ।
3. भक्ति आदोंलन और मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य – डॉ. सुरेश चंद्र
4. जायसी और कबीर – सामाजिक संस्कृति के संदर्भ में – डॉ. डी.आर. राहुल।
5. जायसी – श्री विजय देव नारायाण साही।
6. कबीर और आधुनिक हिंदी काव्य – डॉ. ललित राठौर, समता प्रकाशन।

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program :		M.A. (Hindi)	Sem.-I	w.e.f:2023-24
1	Course Code	HINDT103		
2	Course Title	आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं निबंध)		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	At the end of this course, the student will be able to : • विद्यार्थी गद्य साहित्य के अध्ययन से तर्क –वितर्क एवं चिंतन की क्षमता से पूर्ण परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी नाटक, निबंध तथा अन्य विधाओं के अध्ययन से अभिव्यक्ति एवं नाट्य मंचन की क्षमता का विकास कर सकेंगे। • विद्यार्थी ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी प्राप्त करसकेंगे। • विद्यार्थी नाट्क, निबंध के तत्वो के आधार पर विवेचन– विश्लेषण कर सकेंगे। • विद्यार्थी नाटक, निबंध रचना की क्षमता विकसित कर सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course

Total No. of Lecturer

Unit	Topics	Total Hours
I	**व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित** व्याख्या –चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद) समीक्षा – जयशंकर प्रसाद व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्वों के आधार पर वंद्रगुप्त नाटक की समीक्षा	12
II	व्याख्या – आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश) समीक्षा – मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्वों के आधार पर आषाढ़ का एक दिन की समीक्षा।	12
III	**निबंध** 1. आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी – साहित्य की महत्ता 2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – क्रोध 3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल 4. सरदारपूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम 5. हरिशंकर परसाई – वैष्णव की फिसलन	12
IV	**द्रुत पाठ्य के अंतर्गत निम्नांकित नाटककार एवं निबंधकार का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है।** 1. **नाटककार**– 1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र 2. डॉ. रामकुमार वर्मा 3. लक्ष्मीनारायण लाल 4. धर्मवीर भारती 5. जगदीश चंद्र माथुर। 2. **निबंधकार**– 1. प्रताप नारायण मिश्र 2. विद्यानिवास मिश्र 3. बाबू श्यामसुंदर दास 4. डॉ. रामविलास शर्मा 5. डॉ. नगेन्द्र	12

V	लघु उत्तरीय, अतिलघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेगें।	12

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

Text Books :

1. चंद्रगुप्त नाटक – जयशंकर प्रसाद
2. आषाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

REFERENCE BOOKS:

1. हिंदी नाटक विमर्श – डॉ. देवीदास झंगले
2. साठोत्तरी हिंदी नाटक में युग चेतना – डॉ. विजया गाड़वे
3. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
4. प्रसाद के नाटकों का समाज शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद वर्मा
5. निबंध प्रभा – डॉ. श्रीमती शीलप्रभा मिश्र
6. साठोत्तर हिंदी नाटकों की सामाजिक चेतना – डॉ. जयश्री शुक्ल
7. रचना का नया परिदृश्य – डॉ. जयश्री शुक्ल

E-RESOURCES:

ई. जर्नल्स, ई–पुस्तकें, वीडियों व्याख्यान , दृश्य श्रव्य सामग्री, ई शोध लेख, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस

w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष / सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction

Program :		M.A. (Hindi)	Sem-I	w.e.f:2023-24
1	Course Code	HINDT104		
2	Course Title	भाषा विज्ञान		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this** course**, the student will be able to :** • विद्यार्थी भाषा के माध्यम से भाषा विज्ञान एवं व्याकरण के नियमों को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी भाषा को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने एवं समझने की क्षमता जैसे ध्वनि, वाक्य रूप, अर्थ को समझने के गुण से परिचित होगें। • विद्यार्थी भाषा के माध्यम से व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तर्संबंधों से परिचित होंगें। • विद्यार्थी भाषा के सही उच्चारण की क्षमता विकसित कर सकेंगे। • विद्यार्थी शुद्ध भाषा लेखन एवं उच्चारण के विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course

Total No. of Lecture

Unit	Topics	Total Hours
I	भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा, और अभिलक्षण, भाषा व्याकरण और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना , भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।	12
II	स्वन प्रक्रिया – स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग् अवयवों और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वानिमिक विश्लेषण।	12
III	व्याकरण – रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं – रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।	12
IV	अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन, पर्यायवाची, अनेकार्थी, समानार्थी और विलोमार्थी	12
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेगें	12

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1- भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2- सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
3- हिंदी विज्ञान – डॉ. देवेन्द्र शर्मा
4- भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतदार, डॉ खराटे
5- हिंदी भाषा उद्भव एवं विकास – डॉ. उदय नारायण तिवारी
6- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. बी.डी. शर्मा

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष / सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		**M.A. (Hindi)**	Sem-I	w.e.f:**2023-24**
1	Course Code	**HINDT105**		
2	Course Title	**हिंदी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल और रीतिकाल)**		
3	Course Type	**सैद्धांतिक**		
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी साहित्य के इतिहास की जानकारी दे सकेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक विरासत की ज्ञान दे सकेंगे। • विद्यार्थीअतीत के भाषा विन्यास व लेखन शैली की जानकारी प्रदान कर सकेंगे। • विद्यार्थी साहित्य की विविध धाराओं को परख कर उसे रूचि अनुसार जीवन में अपना सकेंगे। • विद्यार्थी भारत की सांस्कृतिक बहुलता का बोध कर सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecture		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक, सामाजिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन के उदय की प्रमुख परिस्थितियां, कारण, प्रमुख संप्रदाय एवं आचार्य, भारतीय आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उनका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।	12
II	भक्तिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं एवं प्रवृत्तियां– 1. निर्गुण भक्तिधारा – ज्ञानमार्गी (संतकाव्य) प्रेममार्गी (सूफी काव्य) 2. सगुण भक्तिधारा – रामभक्ति, कृष्णभक्ति, प्रतिनिधि कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएं व महत्व	12
III	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि काल – सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति एवं लक्षण ग्रंथों की परंपरा।	12
IV	रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियां, रचनाकार और उनकी रचनाएं।	12
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे।	12

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. नामवर सिंह
5. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी
6. मध्यकालीन नवजागरण काल और संत साहित्य – डॉ. मंजुला पाण्डेय
7. सूरसागर में लोकतांत्रिक मूल्य और वर्तमान समाज – डॉ. श्रीमती फेदोरा बरवा

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		M.A. (Hindi)	Sem-II	w.e.f:2023-24
1	Course Code	HINDT201		
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के इतिहास को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक विरासत का परिचय दे सकेंगे। • विद्यार्थी अतीत के भाषा विन्यास व लेखन शैली का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। • विद्यार्थी प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिके हिन्दी भाषा साहित्य में अंतर की जानकारी दे सकेंगे। • विद्यार्थी आधुनिक काल के साहित्य का स्वाधीनता आंदोलन में योगदान से परिचित हो सकेंगे।		
6	**Credit Value**	04		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecture		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	1. आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 ई. की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण। 2. भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं व साहित्यिक विशेषताएं। 3. द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।	12
II	1. हिंदी स्वच्छंदतावाद और उनके कवि, प्रवृत्तियां एवं रचनाएं। 2. छायावादी काव्य : प्रवृत्तियां, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और उनकी साहित्यिक विशेषताएं। 3. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता , नवगीत, समकालीन कविता, अकविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं साहित्यिक विशेतषाएं।	12
III	हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएं – कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध का विकास।	12
IV	हिंदी गद्य की अन्य विधाएं – रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा वृतांत और रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन।	12
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किए जायेंगे।	12

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ रामकुमार वर्मा
5. दूसरी परंपरा की खोज – डॉ. नामवर सिंह
6. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. नामवर सिंह
7. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		M.A. (Hindi)	Sem-II	w.e.f:2023-24
1	Course Code	HINDT202		
2	Course Title	मध्यकालीन काव्य		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से संकलित कवियों का मूल्यांकन कर सकेंगे। • विद्यार्थी लोक जागरण एवं लोक मंगल के नवीन स्वरों से परिचित हो कर साहित्य की महत्ता को स्वीकारेंगे। • विद्यार्थी भावनात्मक एकता एवं सांस्कृतिक परंपरा का संरक्षण कर सकेगें। • विद्यार्थी सामाजिक सुधार एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए नैतिक बल प्राप्त कर सकेंगे। • विद्यार्थी भारत की वैचारिक विविधता भाषायी विविधता के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।		
6	**Credit Value**	04		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecture		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	सूरदास – व्याख्या – भ्रमरगीत सार – संपादक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल पदसंख्या – 1– से 10 , 21 से 30 , 51से 60, 61 से 70 (कुल 40 पद) आलोचना – सूरदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्ति भावना, वियोग वर्णन, सूर की गोपियां, सूर के उद्धव, काव्य कला।	12
II	तुलसीदास– व्याख्या – रामचरितमानस (गीता प्रेस) पूर्ण सुंदरकाण्ड आलोचना – तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भक्ति भावना, महाकाव्यत्व, लोक जीवन एवं संस्कृति, काव्यकला , लोकनायकत्व, दार्शनिकता, गीतितत्व, भाषा शैली और अंलकार योजना।	12
III	बिहारीलाल – व्याख्या – बिहारी रत्नाकर, संपादक – जगन्नाथदास रत्नाकर (प्रारंभिक 80 दोहे) आलोचना – बिहारी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संयोग – वियोग निरूपण, सौंदर्य चित्रण, बहुज्ञता , काव्य सौंदर्य , काव्यकला, भाषा शैली , अंलकार योजना ।	12
IV	निम्नांकित पांच कवियों का अध्ययन किया जाना है – 1. घनानंद 2. केशवदास 3. देव 4 भूषण 5. पद्माकर	12
V	लघु उत्तरीय, अतिलघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे ।	12

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

Text Book :

01. भ्रमरगीतसार – संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
02. रामचरितमानस – गीता प्रेस – सुंदरकाण्ड
03. बिहारी रत्नाकर – संपादक – जगन्नाथदास रत्नाकर

REFERENCE BOOKS:

1. रीतिकालीन तथ्य और चिंतन – डॉ. सरोजनी पाण्डेय
2. मध्यकालीन कवियों के काव्य के काव्य सिद्धांत – डॉ. छविनाथ त्रिपाठी
3. कृष्ण काव्य और सूर – डॉ. प्रेमशंकर
4. गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य –डॉ. रमेश चंद्र शर्मा , डॉ. रूचि बाजपेयी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
6. सूरसागर में लोकतांत्रिक मूल्य और वर्तमान समाज –डॉ. फेदोरा बरवा

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली। ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		**M.A. (Hindi)**	Sem-II	w.e.f:**2023-24**
1	Course Code	**HINDT203**		
2	Course Title	आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी में गद्य साहित्य के अध्ययन से तर्क–वितर्क एवं चिंतन–मनन की क्षमता विकसित होगी। • उपन्यास, कहानी तथा गद्य की अन्य विधाएं प्रतियोगी एवं अन्य परीक्षाओं हेतु अनिवार्य विषय के रूप में छात्रों के लिए उपयोगी होंगी। • विद्यार्थी आधुनिक गद्य साहित्य के अध्ययन से मानवीय संवेदना को जीवन में बनाये रखने में सक्षम होंगे। • विद्यार्थी उपन्यास और कहानी की संरचना और शिल्प के बारे में बता सकेंगे। • विद्यार्थी कहानी, उपन्यास रचना के लिए अपना मानस तैयार कर सकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	**व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित** उपन्यास –''गोदान'' (प्रेमचंद) व्याख्या –''गोदान'' (प्रेमचंद) समीक्षा – प्रेमचंद व्यक्तित्व एवं कृतित्व, गोदान की मूल समस्या, गोदान में कृषक जीवन, गोदान उपन्यास की विशेषताएं, उद्देश्य, उपन्यासतत्वों के आधार पर गोदान की समीक्षा।	12
II	उपन्यास –''मैला आंचल'' (फणीश्वरनाथ रेणु) व्याख्या –''मैला आंचल'' (फणीश्वरनाथ रेणु) समीक्षा – फणीश्वरनाथ रेणु, व्यक्तित्व एवं कृतित्व, आंचलिक उपन्यास स्वरूप और विकास, कथावस्तु और शीर्षक, कतिपय विशेषताएं,उपन्यास तत्वों केआधार पर मैला आंचल की समीक्षा, महत्व और प्रदेय	12
III	कहानी –व्याख्या – 1. चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था 2. जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार 3. प्रेमचंद –बड़े घर की बेटी 4. निर्मल वर्मा –परिंदें 5. उषा प्रियंवदा –वापसी	12

	6. मैत्रेयी पुष्पा – फैसला समीक्षा – निर्धारित कहानीकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कहानी तत्वों के आधार पर कहानी की समीक्षा	
IV	द्रुत पाठ के अंतर्गत निम्नलिखित उपन्यासकार एवं कहानीकार का सामान्य अध्ययन किया जाना है 1. उपन्यासकार – 1. जैनेन्द्र 2. भगवतीचरण वर्मा 3. अमृतलालनागर 4. भीष्म साहनी 2. कहानीकार– 1. कमलेश्वर 2. यशपाल 3. ममता कालिया 4. अमरकांत	12
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे।	12

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

Text Books :

गोदान (उपन्यास)– मुंशी प्रेमचंद

मैला आंचल (उपन्यास) – फणीश्वरनाथ रेणु

REFERENCE BOOKS:

हिंदी की कालजयी कहानियों में मानवीय मूल्य – डॉ. राजेन्द्र सिंह चौहान

हिंदी उपन्यासों की समीक्षा – डॉ. जाधव, डॉ. कुर्रे

हिंदी उपन्यास वस्तु एवं शिल्प – डॉ. श्रद्धा उपाध्याय

हिन्दी कहानी का प्रगतिशील रवैया – डॉ. बी.के. सुब्रमणियम

हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीनिवास शर्मा

प्रेमचंद और अमृतलाल नागर के उपन्यासों में प्रतिफलित सामाजिक चेतना – डॉ. डी.एस. ठाकुर

साठोत्तर हिंदी उपन्यासों में नैतिक चेतना – डॉ. श्रीमती परमजीत पाण्डेय

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

E-RESOURCES:

ई. जर्नल्स, ई–पुस्तकें, वीडियों व्याख्यान , दृश्य श्रव्य सामग्री, ई शोध लेख, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस

w.w.w.ndl. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फ़ैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		M.A. (Hindi)	Sem-II	w.e.f :2023-24
1	Course Code	HINDT204		
2	Course Title	हिंदी भाषा		
3	Course Type	सैद्धांतिक		
4	Pre-requisite (if any)	निरंक		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • विद्यार्थी भाषा विन्यास एवं भाषा के विकास की परिस्थितियों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी हिंदी भाषा के व्याकरण, नियम, धर्म, दर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। • हिंदी भाषा के क्रमिक विकास एवं आर्यभाषा, आर्येत्तर भाषा, लिपि के संवर्धन एवं संरक्षण की जानकारी प्राप्त करेंगे। • विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विविध रूपो से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा हेतु हिन्दी भाषा की संवैधानिक स्थिति एवं देवनागरी लिपि का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
6	**Credit Value**	04		
7	**Total Marks**	**Internal Marks : 20** **External Marks: 80**		**Min. Marks: 36**

Part B: Content of the Course		
Total No. of Lecture		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं, वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। भारतीय आर्यभाषाएं – पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण ।	12
II	हिंदी का भौगोलिक विस्तार – हिंदी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।	12
III	हिंदी का भाषिक स्वरूप – हिंदी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य, खंड्येत्तर। हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास। भाषा संरचना की व्याकरणिक कोटियां – 1. विकारी शब्द – लिंग, वचन, कारक एवं वाच्य, हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम विशेषण, क्रिया रूप । 2. अविकारी शब्द – क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुचय बोधक, विस्मयादिबोधक, निपात। हिंदी वाक्य रचना – वाक्य के प्रकार, उपवाक्य के प्रकार, पदक्रम और अन्विति।	12
IV	हिंदी के विविध रूप – भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी। हिंदी का आधुनिक विकास और राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति एवं व्यवहार देवनागरी लिपि – नाम, विकास, विशेषताएं, मानकीकरण।	12
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेगें।	12

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

REFERENCE BOOKS:

1. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी –डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी
2. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
4. हिंदी भाषा एवं अबाध प्रवाह – डॉ. मीता , डॉ. सुमन
5. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. बी.डी. शर्मा
6. राष्ट्र हिंदी : मेरे विचार – डॉ. धर्मवीर चंदेल

E-RESOURCES:

1. ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रानिक डाटाबेस, ई – शोधलेख।
2. w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

	हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

Part A: Introduction				
Program :		**M.A. (Hindi)**	Sem-II	w.e.f:**2023-24**
1	Course Code	**HINDT205**		
2	Course Title	**समसामयिक साहित्य में स्त्री एवं दलित विमर्श**		
3	Course Type	**सैद्धांतिक**		
4	Pre-requisite (if any)	**निरंक**		
5	Course Learning. Outcomes (CLO)	**At the end of this course, the student will be able to :** • स्त्री एवं दलित विमर्श की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे। • स्त्री एवं दलित विमर्श के उद्देश्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • भारत में स्त्री आंदोलन, दलित आंदोलन की प्रमुख प्रेरणा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • वर्तमान हिंदी साहित्य में स्त्री एवं दलित विमर्श और महिला कथाकारों, दलित साहित्यकारों के साहित्य को जानकर स्त्रियों, दलितों के प्रति अपने विचार और धारणा को परिवर्तित कर सकेंगे। • विद्यार्थी स्त्री को प्राचीनकाल, मध्यकाल एवं वर्तमान मे प्राप्त सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक अधिकार की स्थिति से परिचित होसकेंगे।		
6	**Credit Value**	**04**		
7	**Total Marks**	**Internal Marks: 20** **External Marks: 80**	**Min. Marks: 36**	

Part B: Content of the Course		
Unit	**Topics**	**Total Hours**
I	स्त्री विमर्श की अवधारणा, स्त्री विमर्श का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, स्त्री विमर्श का उद्देश्य। हिंदी मे स्त्री विमर्श के लेखन का स्वरूप और विकास। भारत में प्रमुख स्त्री आंदोलन के प्रेरणास्पद सूत्रधार एवं संस्थाएं । भारतीय समाज में स्त्री की स्थिति (प्राचीन काल से समकालीन समाज तक)।	12
II	दलित विमर्श की अवधारणा, स्वरूप, दलित विमर्श का प्रारंभ एवं विकास,दलित विमर्श का उद्देश्य, दलित विमर्श की धार्मिक,सामाजिक,सांस्कृतिक और आर्थिक मान्यताए सामाजिक समरसता,समानता हेतु दलित आंदोलन और दलित साहित्य का अन्तःसंबंध दलित साहित्य की शिल्पगत विशेषताएं–भाषा, प्रतीक,मिथक	12
III	उपन्यास– 1. वीरांगना झलकारीबाई–मोहनदास नैमिशराय 2 गुलाममंडी–निर्मला भुराड़िया	12
IV	कहानियां– 01. राही–सुभद्रा कुमारी चौहान 02. सिक्का बदल गया–कृष्णा सोबती 03. अकेली–मन्नू भंडारी 04. प्रतिदान–मालती जोशी	12

	05. सिलिया–सुशीला टाकभौरे 06. पच्चीस चौका डेढ़ सौ–ओमप्रकाश वाल्मीकि	
V	लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे।	12

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Booksand E-Resources

Text Books :

1 वीरांगना– झलकारी बाई मोहनदास नैमिशराय
2 गुलाम मंडी – निर्मला भुराड़िया

REFERENCE BOOKS:

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास–राजाकुमार
2. उपनिवेश में स्त्री –प्रभा खेतान
3. नारी का मुक्तिसंघर्ष–अमरनाथ
4. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श–जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. स्त्री अस्मिता के सवाल–प्रभात दिक्षित
6. औरत अस्तित्व और अस्मिता–अरविंद जैन
7. नयी सदी की पहचान–संपादक–ममता कालिया
8. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र –ओमप्रकाश वाल्मीकि
9. दलित विमर्श की भूमिका–कंवल भारती
10. साहित्य में दलित एव स्त्री–चमनलाल
11. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य – श्योराज सिह बेचैन
12. दलित साहित्य का समाजशास्त्र –हरिनारायण ठाकुरं

E-RESOURCES:

ई. जर्नल्स, ई–पुस्तकें, वीडियों व्याख्यान , दृश्य श्रव्य सामग्री, ई शोध लेख, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस

w.w.w. ndI. iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)

Hindi – e-PGPathshala

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
कोनी पुलिस थाना के समाने, बिलासपुर–रतनपुर मार्ग, कोनी जिला– बिलासपुर (छ.ग.) 495009,
फोन : 07752–220031, फैक्स 07752–260294, ई–मेल : registrar@bilaspuruniversity.ac.in
website: www.bilaspuruniversity.ac.in

हिन्दी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष/सदस्यों के नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ डी.एस. ठाकुर, शास. बिलासा कन्या पी.जी. महा. बिलासपुर।	
2.	डॉ श्रीमती जयश्री शुक्ला, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
3.	श्रीमती रेखा शर्मा, सहा. प्राध्यापक, संत रविदास महाविद्यालय सरगांव।	
4.	डॉ उषा तिवारी, सहा. प्राध्यापक, शास. ई आर. आर. विज्ञान महा. बिलासपुर।	
5.	डॉ श्रीमती परमजीत पाण्डेय, सहा. प्राध्यापक, शास. जे.पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महा. बिलासपुर।	
6.	डॉ आर. के. सचदेव, सहा. प्राध्यापक, शास. महामाया महा. रतनपुर।	
7.	प्रो. सरस्वती भल्ला, प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।	ऑनलाईन सहमति प्राप्त कर ली गई है।
8.	प्रो. निलेश मिश्रा, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नई दिल्ली।	अनुपस्थित